मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों का बेहतर प्रदर्शन जारी

अप्रैल में 58.8 रहा पीएमआइ इंडेक्स, यह साढ़े तीन वर्षों में दूसरा सबसे अच्छा महीना

- पिछले महीने मैन्यूफैक्चरर्स को घरेलू और बाहरी ग्राहकों से मिली मजबूत मांग
- अप्रैल में कारोबारियों को मिले नए निर्यात आर्डर में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल में धीमी रही हैं। हालांकि, परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया, जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआइ) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया, जो मार्च में 59.1 था। पीएमआइ के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय मैन्यूफैक्चरर्स ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही। इसके अलावा, अप्रैल में नए निर्यात आर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा। भंडारी ने कहा, 'कीमत की बात करें तो कच्चे माल और श्रम की उच्च लागत के कारण कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन मुद्रास्फीति ऐतिहासिक औसत से नीचे बनी हुई है।' उन्होंने कहा कि कंपनियों ने उत्पादन शुल्क बढ़ाकर इस वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल दिया, क्योंकि मांग मजबूत बनी रही जिससे लाभ में सुधार हुआ।

मार्च में सेवा निर्यात 1.3 प्रतिशत घटा

मुंबई, प्रेट्र: मार्च में भारत का सेवा निर्यात 1.3 प्रतिशत घटकर 30 अरब डालर रह गया जबकि आयात 2.1 प्रतिशत गिरकर 16.61 अरब डालर हो गया। आरबीआइ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च, 2024 के दौरान व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) 13.4 अरब डालर था। पिछले दो महीनों में सेवाओं का निर्यात और आयात दोनों सकारात्मक क्षेत्र में थे। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सेवाओं का निर्यात 339.62 अरब डालर और आयात 177.56 अरब डालर होने का अनुमान है। वर्ष के दौरान व्यापार अधिशेष या निर्यात और आयात के बीच का अंतर 162 अरब डालर बैठता है।

इलेक्ट्रानिक्स व इलेक्ट्रिकल आयात में चीन और हांगकांग की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: इलेक्ट्रानिक्स, टेलीकाम, और इलेक्ट्रिकल उत्पादों का आयात 2023-24 में बढ़कर 89.8 अरब डालर हो गया और इनमें से 56 प्रतिशत से अधिक आयात चीन और हांगकांग से रहा। आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) ने कहा कि इन उत्पादों के आयात में चीन की हिस्सेदारी 43.9 प्रतिशत है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इन दोनों देशों से आयात में पिछले कुछ वर्षों के दौरान नाटकीय वृद्धि देखी गई है। जीटीआरआइ ने कहा कि न केवल आर्थिक लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए इस निर्भरता को कम करना जरूरी है बल्कि भारत की तकनीकी संप्रभुता को कायम रखने के लिए भी ऐसा करना आवश्यक है। आयात पर चीन जैसे देश पर निर्भरता देश की रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है।